ECONOMICS

B A PART III

PAPER VII

Statistical Methods

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की Website ncert.nic.in पर जाएं।
- इसके मुख्य page पर सबसे ऊपर Link लिखा हुआ है।

Link के विषय सामग्री (content) में E-Books दिया हुआ है। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज पर E-Books के नीचे

Textbooks of Classes I-XII (PDF)

लिखा मिलेगा। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- पुनः नए पेज पर

Select Class में **Class XI** के गोले को दबाएं ।

Select Subject में **Statistics** के गोले को दबाएं ।

Select Book Title में **Sankhyiki** के गोले को दबाएं ।

पुनः **Go** के गोले को दबाएं ।

- पुस्तक "अर्थशास्त्र में सांख्यिकी" का चित्र आयेगा। साथ ही बाएं इसके अध्यायों की सूची आयेगी।
- इसके **सातवां अध्याय, Chapter- 7 "सहसंबंध "** का अध्ययन करें।

सहसंबंध मापने के लिए कार्ल पीयरसन का गुणांक सबसे आसानी से समझा जाने वाला, प्रचलित और लोकप्रिय गुणांक है।

आज हम कार्ल पियरसन गुणांक r के गुणों की चर्चा करेंगे।

1. r की कोई इकाई नहीं होती।
2. सहसंबंध गुणांक का प्रयास। $-1 < r < 1$, जिसमें -1 और +1 सम्मलित है ।
3. r का ऋणात्मक मान चरों के बीच प्रतिलोम संबंध को दर्शाता है।
4. r का मान धनात्मक हो तो दोनों चर एक ही दिशा में गतिमान होते हैं।

5. r =+1 एवं r = -1 पूर्ण सहसंबंध को दर्शाता है, इसका अर्थ है कि चरो के बीच सटीक रेखिय सहसंबंध है।
6. r = 0 का अर्थ होता है कि चरों के बीच कोई सहसंबंध नहीं है।
7. r का मान जब -1 या +1 के नजदीक हो तो यह निकटस्थ या उच्च सहसंबंध को दर्शाता है।
8. r का मान जब 0 (शून्य) के नजदीक हो तो यह मंद सहसंबंध को दर्शाता है।
9. r का परिणाम उद्गम और पैमाने के परिवर्तन से अप्रभावित रहता है।

इस क्षेत्र से २० अंक का एक प्रश्न अवश्य पूछा जाता जो सामान्यतः numerical प्रश्न के रूप में होता है।साथ ही १० अंक के short notes (टिप्पणी) में भी इस क्षेत्र से एक प्रश्न पूछा जा सकता है, अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।

- इस पुस्तक में 9 अध्याय हैं। सभी हमारे कोर्स से संबंधित और उपयोगी हैं। इस पुस्तक का अध्ययन खासकर उन छात्रों के लिए उपयोगी है जिन्होंने इससे पहले सांख्यिकी का अध्ययन नहीं किया है।
- इस प्रथम परिचय पुस्तक को पढ़ने के बाद BA level की अन्य पुस्तकों का अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

साथ ही कई प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनकी समझ और विश्वास में निरंतर अभ्यास से वृद्धि हो।

कोरोनावायरस की इस विभीषिका काल में **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण परिषद (NCERT)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

Prof. Chanchal Kumar Pandey

Head

Department of Economics

Maharaja College

Ara